27.10.66 रात्रीक्लास– बाबा के सब सेंटर्स लिये यह डायरैक्शन्स हैं कि कुमारियां वा मातायें रात को बाहर नहीं निकलें।सवेरे का समय अच्छा होता है।सवेरे में मनुष्यों की शैतानी की वृत्ति नहीं होती है।तो बच्चों को शिक्षा दी जाती है रात को अकेली कहीं मत जावें।बड़ी खबरदारी चाहिए।बाबा अखबार पढ़ते हैं तो सावधानी देते हैं।बाबा के बच्चे बहुत हैं।भूले–चूके भी अकेला कहीं भी नहीं जाना चाहिए।आजकल गंदगी बहुत है।तो खबरदार रहना चाहिए।सेंटर में भी अकेली कुमारी नहीं रहे।हर एक सेंटर्स पर दो–तीन होनी चाहिए।बाप कहते हैं मैं आया हूँ गंदगी को खलास करने।अब तो समय पड़ा है।समय होगा तो खलासी हो ही जावेगी।कुमारियों को सम्भाल रखनी है ;क्योंकि कुमारियों के पीछे बहुत लगते हैं।बाइस्कोप में जाना नर्क में जाना है।गवर्मेंट तो इन बातों में खुश होती है।डांस आदि ऐसा सीखते हैं समझते हैं कि शंकर–पार्वती का डांस है।है सारी ही शैतानी।मनुष्य को जब तक रचता और रचना का ज्ञान नहीं है तब तक कोई काम को नहीं है।तो बाबा सावधान करते हैं कि रात को कोई कुमारी वा माता सेंटर पर नहीं आवे या कहीं भी बाहर नहीं जावे।बहुत गंद है।दिन में आने में हर्जा नहीं है।**कहॉ** तुम देवतायें ,कहॉ वो असुर।तुम ब्राह्मण हो और दैवी सम्प्रदाय बन रहे हो।यह ड्रामा चल रहा है।तुम साक्षी हो देखते हो।जानते हैं यहॉ बहुत कचड़ा है।किसी को भी देखने की दिल नहीं होती है।अभी तुम बाप के साथ सेवा कर रही हो योगबल **से**।तुम सब तत्वों को और दुनियां वायुमंडल को शुद्ध कर रही हो।योग ही मुख्य है।याद भूलने से कुछ ना कुछ नुकसान हो ही जाता है।विकर्म कोई नहीं करना है।विकर्म अक्षर है विकार का।नग्न नहीं होना है।गृहस्थ व्यवहार में रहते हुये कमल फूल समान पवित्र रहना है।ट्रायल करके देखो इकट्ठे सोने से आग तो नहीं लगती है?कोई भी हालत में नग्न नहीं होना है।काम के तूफान को हटाते ही जाओ।अपनी सम्भाल करनी है।योगबल से विकारी खयालात से हट जाना है।पुरुष क्रोध करे तो उनको फूल या ठण्डा पानी डाल शांत करानी चाहिए।बहुत मीठा बनना चाहिए।इस रुहानी कमाई पर अटेंशन जास्ती होना चाहिए।पैसे पीछे जास्ती लोभ भी नहीं रखना चाहिए।आजकल पैसे वालों के पीछे बहुत झंझट है।जो योग में रहने नहीं देता।ओम।